मुचलका हिफ्ज अमन

(दफा 107 जाब्ता फौजदारी)

बखिदमत ---------- मुकाम ----------

---------- बनाम ----------

क०मा०नं० / सन

हरगाह मुझे ----------वल्द ----------कौम ----------

साकिन----------तहसील----------की मुचलका हिफ्ज अमन मयादी ---------- लिखने का हुक्म हुआ है लिहाजा मैं इस तहरीर की रूह से इकरार करता हूँ की मयाद मजकूर के नुक्स अमन या कोई फ़ैल जिसमें नुक्स अमन अहतमाल हो नहीं करूँगा और अगर मैं इसमें कसूर करू तो बजरिये इस तहरीर के इकरार करता हु की मुबलिक) रुपये अक्षरे रुपये राजस्थान सरकार की तावान के अदा करूँगा |

फ़क्त तारीख.....माह सन.....

दस्तखत

जमानत

1. मैं ---------- वल्द ---------- कौम ----------

   साकिन ----------अपने को ---------- मजकूर का जामिन करार देता हूं की वह मयाद.....में नुक्स अमन या कोई फ़ैल जिसमें नुक्स अमन का अहतमाल हो नहीं करेगा और इसमें वह गलती करें तो मैं इकरार करता हु की मुबलिक)रुपये अक्षरे .....राजस्थान सरकार में तावान के अदा करूँगा |

   फ़क्त तारीख.....माह.....सन.....

   दस्तखत

2. मैं ---------- वल्द ---------- कौम ----------

   साकिन ----------अपने को ---------- मजकूर का जामिन करार देता हूं की वह मयाद.....में नुक्स अमन या कोई फ़ैल जिसमें नुक्स अमन का अहतमाल हो नहीं करेगा और इसमें वह गलती करें तो मैं इकरार करता हु की मुबलिक)रुपये अक्षरे .....राजस्थान सरकार में तावान के अदा करूँगा |

   फ़क्त तारीख.....माह.....सन.....

   दस्तखत